वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 175 | रविवार 22 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर अभिव्यक्ति गरबा का धमाल

बॉडी पर टैटू बनाकर पहुंचे लोग, पूरी मस्ती में नाचते-गाते दिखे

जयपुर. कासं। तीसरे दिन भी अभिव्यक्ति गरबा महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। कपल्स अलग-अलग थीम पर कपड़े पहनकर पहुंचे। इस दौरान गरबा ग्राउंड पर सेल्फी का भी क्रेज दिखा। लोग ग्राउंड पर ही रिल्स बनाते दिखे। 180 फीट के सर्किल में महाआरती के साथ गरबा शुरू हुआ। मां अंबे की आराधना हुई। आस्था के इस सैलाब में बॉडी पर टैटू बनाकर और अपने कॉस्ट्यूम के जरिए मां दुर्गा के इन नौ रूपों को दर्शाया। भीड़ में अलग दिखने के लिए पार्टिसिपेंट अलग-अलग रूप में पहुंचे। यहां लोगों के लिए दो सर्किल बनाए गए। एक में 2200 पार्टिसिपेंट्स एक साथ गरबा किया, जो एक महीने की खास ट्रेनिंग के बाद गरबा ग्राउंड पहुंचे। सभी बेहद उत्साह और उमंग के साथ गरबा करते नजर आए।

निचेरीन बुद्धिज्म के लेखन और चांट से प्रेरित आर्टवर्क

आर्टिस्ट वर्षा तनेजा की जेकेके में आर्ट एग्जीबिशन 'रेसिलिएंस' की शुरूआत

जयपुर. कासं। 'पावर ऑफ चॉइस', 'लोटस सूत्रा', 'पावर ऑफ माइंडफुलनेस, डॉन जैसी थीम्स पर बनी कलाकृतियों से आर्टिस्ट ने आंतरिक शांति और सकारात्मक सोच की अहमियत और ताकत को कैनवास पर प्रदर्शित किया। आर्टिस्ट वर्षा तनेजा की ओर से आयोजित दो दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन 'रेसिलिएंस - द कोर ऑफ स्ट्रेंथ विदिन यू' में कुछ ऐसी ही कलाकृतियां देखने को मिली। जवाहर कला केंद्र के सुरेख गैलरी में शनिवार को शुरू हुई इस कला प्रदर्शनी का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि मिनिएचर आर्टिस्ट पद्मश्री शाकिर अली और समाजसेवी सुधीर माथुर ने किया। दिल्ली, चंडीगढ़ और मुंबई में एग्जीबिशंस के बाद वर्षा ने जयपुर में अपनी पहली सोलो एग्जीबिशन में 60 आर्टवर्क्स डिस्प्ले किए।

करवा चौथ पर होगा म्यूजिकल सेलिब्रेशन

अनूठे अंदाज में 300 से अधिक महिलाएं एक साथ करेंगी व्रत

जयपुर. कासं। जयपुराइट्स इस बार करवा चौथ को अनूठे और मॉडर्न अंदाज में सेलिब्रेट करने जा रहे हैं। 29 अक्टूबर को आमेर रोड स्थित होटल जयपुर हैरिटेज में करवा चौथ पार्टी-2023 का आयोजन होगा, जिसमें 300 महिलाएं एक साथ व्रत को सेलिब्रेट करेंगी। म्यूजिकल थीम पर लेडीज कई तरीके के एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन नीतूस मेकओवर की ओर से होगा। पार्टी आयोजक नीतू कपूर ने बताया- करवा चौथ तो सभी मनाते हैं, लेकिन हमने जयपुराइट्स के लिए स्पेशल इंतजाम किए हैं। इसमें लेडीज को इनवाइट किया गया है, जो विभिन्न टाइटल्स भी पाएंगी। महिलाएं करवा चौथ के उत्सव के साथ ही परम्परा को अनूठे और मॉडर्न अंदाज में निभाएंगी, क्योंकि अब सिर्फ छत पर खड़े होकर चांद देखने मात्र से नहीं, बल्कि लेडीज ग्रुप में एक साथ एक प्लेटफॉर्म पर होंगी और करवा चौथ को डांस व म्यूजिक के साथ मनाएंगी। उनको कई गेम्स खिलाए जाएंगे और ग्रुप डांस, ग्रुप पूजा व आरती के साथ उनको बारी-बारी बुलाकर उनकी जर्नी पूछी जाएगी। अनुभव बांटते हुए सभी बॉन्डिंग और दोस्ती भी बढ़ाएंगी। इवेंट को मनीष कपूर मैनेज करेंगे। कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन आचार्य हिमानी शास्त्री, रेखा सोनी, पूजा गुप्ता और नीतू कपूर ने अल्बर्ट हॉल पर किया।

दिगम्बर जैन महासमिति

राजस्थान अंचल, जयपुर

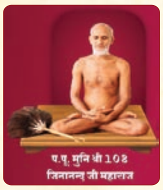

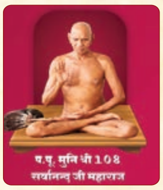

दशलक्षण पर्व -2023

सामाजिक एवं धार्मिक सांस्कृतिक
कार्यक्रमों/झांकियों एवं ग्रीष्मकालीन
धार्मिक शिक्षण शिविर के शिक्षकों का सम्मान

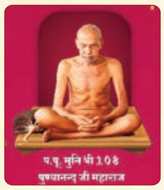

पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह

रविवार, दिनांक- 22 अक्टूबर, 2023 । समय- दोपहर 12.30 बजे से

स्थान-आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

विशेष आकर्षण
हाऊजी, सांस्कृतिक कार्यक्रम
लक्की ड्रा सौन्जयकर्ता–
श्रीमती मन्जू पूरी छाबड़ा

साधर्मी बन्धुओं, जय जिनेन्द्र,

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के तत्वावधान में पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व पर विभिन्न मंदिरों में आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं धूपदशमी पर सजाई गई झांकियों का श्रेष्ठता के आधार पर सम्मानित किया जायेगा।

साथ ही वर्ष 2023 के ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर में नि:स्वार्थ सेवा देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा।

इस अवसर पर परम पूज्य मुनि श्री 108 जिनानन्द जी महाराज, सर्वानन्द जी महाराज एवं पुण्यानन्द जी महाराज का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप सादर आमंत्रित है।

मुख्य अतिथि - श्री अशोक जी बड़जात्या, राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता - श्रीमती मृदुला पांडया - श्री सुरेन्द्र जैन पांडया, राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति

चित्र अनावरणकर्ता - श्रीमती उषा जी - श्री विजय जैन वैद, श्रीमती सुशीला जी - श्री पदम जी वैद

पुरस्कार वितरणकर्ता - श्रीमती शशि - श्री सुरेश जी सोगाणी, महावीर नगर

पुरस्कार वितरणकर्ता - श्रीमती विजयलक्ष्मी जैन - श्री अशोक जी जैन बड़जात्या, मानसरोवर

शास्त्र जी भेटकर्ता - श्रीमती शशि शाह - श्री भागचंद जी शाह

समारोह में दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

श्री नवीन सेन जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष	**श्री मनीष वैद** राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ मंत्री	**डॉ. विनोद जैन शाह** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**डॉ. राजेन्द्र जैन** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	**श्री निर्मल संघी** राष्ट्रीय मेडिकल संयोजक

-: निवेदक :-

अनिल कुमार जैन अध्यक्ष	**उत्तम कुमार पाण्डया** निवर्तमान अध्यक्ष	**रमेश चन्द्र जैन** कोषाध्यक्ष	**डॉ. णमोकार जैन** मुख्य संयोजक	**महावीर जैन बाकलीवाल** महामंत्री

सुधीर कुमार जैन कार्याध्यक्ष	सुरेन्द्र मोहन जैन कार्याध्यक्ष	सुरेश जैन बांदीकुई कार्याध्यक्ष	राजेन्द्र के. शाह कार्याध्यक्ष	पवन जैन पाण्डया युवा प्रकोष्ठ मंत्री	श्रीमती शंकुतला जैन महिला प्रकोष्ठ मंत्री

अशोक लुहाड़िया समन्वयक	शांति जैन काला समन्वयक	श्रीमती सुनीता गंगवाल संयोजक	श्रीमती उर्मिला जैन संयोजक	श्रीमती मधु पाण्ड्या संयोजक	श्रीमती अलका सेठी संयोजक	श्रीमती शीला सेठी संयोजक

एवं समस्त कार्यकारिणी, सदस्यगण दिगम्बर जैन महासमिति, राजस्थान अंचल, जयपुर

विलक्षण है नवागढ़ का मूर्तिशिल्प और पुरा वैभव

नवागढ़ में त्रिदिवसीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ, राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में विद्वानों ने प्रस्तुत किए आलेख

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत 21 से 23 अक्टूबर तक त्रिदिवसीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।शनिवार को राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ ब्र. जय निशांत भैया जी के निर्देशन में किया गया। सर्वप्रथम चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन किया गया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि संगोष्ठी में सुबह और दोपहर के सत्र में अनेक विद्वानों ने अपने शोधालेख प्रस्तुत किए। अध्यक्षता दामोदर सेठ ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रघुवरप्रसाद छतरपुर, सारस्वत अतिथि नरेश पाठक ग्वालियर मंचासीन रहे। मंगलाचरण पंडित दिनेश दिवाकर व अर्हम, अनुराग, आर्जव जैन ने किया। प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस ने गुलाबचंद पुष्प की प्रतिष्ठा विधि विषय पर बोलते हुए कहा कि गुलाबचंद जी पुष्प देश के सर्वमान्य प्रतिष्ठाचार्य रहे हैं, आपके द्वारा 200 से अधिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए हैं ।150 से अधिक नवीन जिनालयों की स्थापना आपके कुशल निर्देशन में की गई। अखिल भारतवर्षीय विद्वत समूह एवं श्रेष्ठियों द्वारा आपको पुष्पांजलि ग्रंथ समर्पण करके प्रतिष्ठा पितामह की उपाधि से अलंकृत किया गया था । आपके समग्र समर्पण से ही आज नवागढ़ क्षेत्र जन-जन की आस्था का केंद्र बन रहा है। प्रसिद्ध मूर्तिविज्ञानी नरेश पाठक ग्वालियर ने नवागढ़ के मूर्ति शिल्प का वैशिष्ट्य विषय पर आलेख प्रस्तुत करते हुए कहा कि नवागढ़ की मूर्तियों का शिल्प विलक्षण है। नवागढ़ की मूर्तियों का वैशिष्ट्य एक लंबे इतिहास को संजोए है। अभिलेखों की दृष्टि से नवागढ़ की जैन पुरा सम्पदा महत्वपूर्ण है। नवागढ़ में अन्वेषण की बहुत संभावनाएं हैं। संजय आठिया सागर ने चंदेलकालीन पुरातत्व का वैशिष्ट्य विषय, डॉ मनोज निर्लिप्त अलीगढ़ ने पुष्प जी की धार्मिकता, पंडित राजकुमार शास्त्री सागर ने नवागढ़ के मूलनायक अरनाथ भगवान का वैशिष्ट्य, पंडित नान्हेंभाई शास्त्री सागर ने पुष्प जी के प्रतिष्ठा संबंधी अवदान व श्रीमती अर्चना जैन पम्मी बरायठा ने जैनधर्म के संरक्षण में चंदेल राजाओं की भूमिका विषय पर अपने आलेख प्रस्तुत किए। समागत विद्वानों का स्वागत, अभिनन्दन महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, इंजी. शिखरचंद जैन, अबनिश जैन बेंगलुरु, डॉ आलोक जैन रांची, चक्रेश जैन सहित तीर्थक्षेत्र कमेटी नवागढ़ एवं नवागढ़ गुरुकुलम के पदाधिकारियों ने किया। आभार वीरचन्द्र जैन ने व्यक्त किया। **सिद्धार्चना में किए 64 अर्घ्य समर्पित:** प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत चल रही सिद्धार्चना में शनिवार को 64 अर्घ्य भक्ति- श्रद्धा के साथ श्रद्धालुओं ने समर्पित किए।

100 वे जन्मदिवस पर काला का किया समाज ने अभिनंदन

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। शांत एवं सौम्य स्वभाव के धनी चौथमल काला सुपुत्र स्वर्गीय मंगलचंद जी काला के 100 वे जन्मदिवस पर श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ द्वारा जैन भवन प्रांगण में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। मीडिया प्रभारी महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि इससे पूर्व काला जी को गाजे बाजे के साथ बग्घी में बिठाकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर में देव दर्शन करवाया गया। स्वागत समारोह में देश व प्रदेश के महानुभाव ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला,मंत्री पारसमल जी बगड़ा, उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा,समाजसेवी प्रकाशचंद पाटनी,डूंगरमल गंगवाल, देवीदत पहाड़िया,सुमेरमल और .पहाड़िया,अजीत जी, विमल जी पाटनी,पारसमल सेठी,सुरेंद्र कुमार जी बगड़ा,श्रीमती मैना देवी पाटनी,सरला देवी पाटनी,मंजू देवी बाकलीवाल,मीनू देवी बगड़ा,सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे ।कार्यक्रम का सफल संचालन पार्षद उषा देवी बगड़ा ने किया।

वेद ज्ञान

ईश्वर का विधान

हम सभी परमपिता परमात्मा के पुत्र हैं। वे सभी को समान रूप से चाहते हैं, पर वह जिन्हें योग्य, विश्वसनीय और ईमानदार समझते हैं, उन्हें अपनी राज-शक्ति का कुछ अंश इसलिए सौंप देते हैं कि वे उसके ईश्वरीय उद्देश्यों की पूर्ति में हाथ बटाएं। धन, बुद्धि, स्वास्थ्य, शिल्प, चतुराई, मनोबल, नेतृत्व आदि की शक्तियां जिन्हें अधिक मात्रा में दी गई हैं, वे उन्हें दैवी प्रयोजन के लिए दी गई हैं। जो अधिकार सामान्य प्रजा को नहीं है, वे अधिकार नगराधिकारी को देकर राजा कोई पक्षपात नहीं करता, बल्कि अधिकार योग्य से अधिक काम लेने की नीति बरतता है। परमात्मा भी कुछ थोड़े से लोगों को अधिक संपन्न बनाकर अपने अन्य लोगों के साथ अन्याय नहीं करता। उसने सभी को समान रूप से विकसित होने के अवसर दिए हैं। वह पक्षपात और अन्याय करे तो फिर समदर्शी और दयालु कैसे कहा जा सकेगा? भोजन, वस्त्र, आवास और जीवनयापन की उचित आवश्यकता पूरी करने वाली वस्तुएं प्रभु प्रदत्त प्रत्येक व्यक्ति का वेतन है। आलसी, अकर्मण्य लोगों का वेतन कट जाता है और उन्हें किन्हीं अंशों में अभावग्रस्त रहने को विवश होना पड़ता है। जो परिश्रमी, पुरुषार्थी, सीधे मार्ग पर चलने वाले हैं, वे अपना उचित वेतन यथासमय पाते रहते हैं। इस वेतन के अतिरिक्त जिसके पास जो भी बौद्धिक, शारीरिक, आर्थिक और औपचारिक शक्तियां हैं, वे केवल इस उद्देश्य के लिए हैं कि उनको अपने से कमजोर लोगों को ऊपर उठाने में लगाया जाए। प्रत्येक समृद्ध मनुष्य को प्रभु ने यह कर्तव्य सौंपा है कि अपने से जो लोग कमजोर हैं, उनकी मदद करने में इन शक्तियों को व्यय किया जाए। यदि कोई सुशिक्षित है तो उसका फर्ज है कि अशिक्षितों में शिक्षा का प्रसार करे। कोई शक्तिशाली है तो उसका कर्तव्य है कि निर्बलों को, सताने वालों को रोके। धनवान के निकट धन इसलिए अमानत के रूप में रखा गया है कि वह उससे विद्या, बुद्धि, व्यवसाय, संगठन, सद्ज्ञान आदि का इस प्रकार आयोजन करे कि उससे जरूरतमंद अपनी चतुर्मुखी उन्नति कर सकें।

संपादकीय

दत्तक अधिनियम को व्यावहारिक और पारदर्शी बनाएं...

दत्तक अधिनियम यानी बच्चों को गोद लेने का कानून इस उद्देश्य से बनाया गया था कि निस्संतान दंपतियों को संतान सुख और उत्तराधिकारी पाने का हक तथा अनाथ हो गए बच्चों को इसके जरिए माता-पिता का प्यार दिलाया जा सके। मगर इस कानून का लाभ उठा पाना इतना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें गोद लेने संबंधी नियम और शर्तें कुछ जटिल हैं। इन्हीं जटिलताओं के कारण विदेशी नागरिकों को भारत में बच्चा गोद लेते समय अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मगर जो दंपति सारे नियम और शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें भी अगर अनापत्ति प्रमाण पत्र हासिल नहीं हो पाता, तो उस पर एतराज स्वाभाविक है। ऐसी ही शिकायतों को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई कि केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण यानी कारा की तरफ से कोई न कोई बाधा उपस्थित की जा रही है। लोगों को अनापत्ति प्रमाणपत्र के बजाय समर्थन पत्र दिए जा रहे हैं। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा है

कि विदेशी नागरिकों को बच्चा गोद लेने संबंधी प्रक्रिया को जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए। जिन देशों से गोद लेने संबंधी अंतरराष्ट्रीय समझौते हैं, उन देशों के नागरिकों को इस प्रक्रिया में अधिक नहीं उलझाया जाना चाहिए। अदालत ने यह निर्देश शिकायत के पक्ष में उपलब्ध कराए गए प्रमाणों के आधार पर दिया है। इस संबंध में कारा के उच्च अधिकारी को तलब भी किया है। अपील करने वालों की तरफ से कहा गया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए उन्हें काफी पैसा खर्च करना पड़ रहा है, उसके बावजूद उन्हें समर्थन पत्र ही दिया जा रहा है। दरअसल, बच्चों को गोद लेने संबंधी नियमों में संबंधित प्राधिकार को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे उन्हीं लोगों को बच्चा गोद लेने की अनुमति प्रदान करे, जो वास्तव में उनकी उचित देखरेख कर सकें। पिछले कुछ सालों में ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिनमें विदेश में रह रहे लोग भारत से बच्चों को गोद तो लेते हैं, मगर उन्हें माता-पिता का प्यार नहीं देते। बच्चों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे उन्हें नहीं दिला पाते। कई लोग तो ऐसे बच्चों को बंधुआ मजदूर की तरह घर में रखते और घर के सारे काम उनसे कराते हैं। जबकि दत्तक अधिनियम का मकसद है कि बच्चों को घर का वातावरण उपलब्ध हो सके, उन्हें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य मिल सके। इस लिहाज से कारा अधिकारियों की सतर्कता उचित कही जा सकती है। मगर जो लोग सभी संबंधित नियम-कायदों को पूरा करते हों, उन्हें भी परेशान किया जाए, तो शिकायत स्वाभाविक है। हमारे सरकारी महकमों में नियम-कायदों की आड़ में किसी भी काम को बेवजह अटकाए रखना और फिर रिश्वत लेकर वह काम कर देना कोई छिपी बात नहीं है। ऐसे में जब कोई काम विदेश में रहने वाले किसी व्यक्ति का हो, तो सरकारी कर्मचारियों की लार टपकनी स्वाभाविक है। ऐसे लोग यह सोच कर पैसा खर्च करने में गुरेज नहीं करते कि अगर एक काम के लिए उन्हें कई बार आना-जाना पड़ा, तो कहीं अधिक पैसा खर्च हो जाएगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

तिकड़म पर जेल...

रसूखदार लोग कानून को कागज का पुर्जा और प्रशासनिक अधिकारियों को अपने हाथों की कठपुतली समझ कर कैसे उनका दुरुपयोग करते हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण है सपा नेता आजम खान द्वारा अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का मामला। विधायकी के लिए आजमाई तिकड़मों ने आजम खान, उनकी पत्नी तंजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला को फिर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। तीनों को सात साल की कैद हुई है। दरअसल, आजम खान ने अपने बेटे अब्दुल्ला को विधायक बनाने के लिए सभी नियम-कानून ताक पर रख दिए थे। अब्दुल्ला आजम को 2017 में विधानसभा चुनाव लड़ना था, लेकिन वे इसके लिए जरूरी न्यूनतम आयु सीमा पच्चीस वर्ष की अर्हता पूरी नहीं करते थे। रामपुर नगर पालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र में उनकी जन्मतिथि एक जनवरी उन्नीस सौ तिरानबे बताई गई थी। मगर तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार में मंत्री आजम खान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए लखनऊ से तत्काल दूसरा जन्म प्रमाण पत्र बनवा लिया, जिसमें अब्दुल्ला का जन्म तीस सितंबर, उन्नीस सौ नब्बे को हुआ बताया गया। इस तरह बेटा विधायक तो बन गया, लेकिन उसके बाद वे कानून के जाल में फंसते चले गए। आजम खान यह जरूर जानते होंगे कि कोई भी नागरिक अगर जानबूझ कर कानून का उल्लंघन करता है, तो सजा का भागीदार होता है। कानून की नजर में कोई बड़ा या छोटा नहीं होता। सवाल उठता है कि इसके बावजूद उन्होंने स्वयं ऐसा आपराधिक कृत्य क्यों किया, जिसने उनके लंबे सार्वजनिक जीवन को न केवल दागदार किया, बल्कि उनके पूरे परिवार के राजनीतिक सफर पर एक तरह से विराम ही लगा दिया। मंत्री की हैसियत से उनकी जिम्मेदारी तो कानून के रक्षक वाली होनी चाहिए थी, उसके उल्लंघन करने वाले की नहीं। मगर यह आदर्श कितने नेता मानते हैं! दरअसल, भारतीय राजनीति में यह सोच मजबूत होती गई है कि जब सत्ता में होंगे तो अवैध लाभ अर्जित करने के लिए कुछ भी करेंगे और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। हमेशा साफ छवि होने का दावा करने वाले आजम खान भी इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखे। अफसोस की बात यह है कि आजम खान को राजनीतिक पीड़ित बताकर सहानुभूति बटोरने और राजनीति में गहरे पैठ बना चुके भ्रष्टाचार को नजरअंदाज करने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन अदालती कार्यवाही के दौरान सामने आए तथ्यों से साफ पता चलता है कि यह मामला कहीं से भी राजनीतिक प्रतिशोध का नहीं है। एक अपराध हुआ है और उसमें संलिप्त दोषियों को उनके किए की सजा मिली है। आजम खान रामपुर विधानसभा सीट से दस बार विधायक और चार बार उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उनकी पत्नी फातिमा भी राजनीतिशास्त्र की प्रोफेसर होने के साथ-साथ विधायक और राज्यसभा सदस्य रही हैं। ऐसे लोगों से कानून के पालन की स्वाभाविक उम्मीद की जाती है। जब वे ऐसे गलत काम करते हैं, तो समाज में बहुत खराब संदेश जाता है। इन्हें मिली सजा दूसरों के लिए भी बड़ा सबक होनी चाहिए। किसी भी आपराधिक कृत्य को धर्म या राजनीति की आड़ में छिपाने का प्रयास उस लालची और भ्रष्टाचारी सोच को और मजबूती प्रदान करेगा, जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता को घुन की तरह खाए जा रही है।

नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ नाज में भजन एवम फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर वर्द्धमान ग्रुप के तत्वाधान में सहयोगी श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा सेंदड़ा रोड पर संचालित नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ नाज के प्रांगण में नवरात्रि-पर्व के अवसर पर भजन एवम फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता हाउस अनुसार एकल भजन और सामूहिक भजन दोनों के लिए आयोजित हुई जिसमें लगभग 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा और उप प्राचार्य नागेश राठौड़ ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर भक्तिमय भजनों के साथ किया जिसमें प्रत्येक हाउस के बालक बालिकाओं ने शानदार भक्तिमय गायन के साथ प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने अपने भजनों में राधा कृष्ण, शिव पार्वती एवम राम सीता के साथ साथ बालाजी का आवाहन और गुणगान किया। निर्णायक मंडल की भूमिका में गोठी स्कूल की श्रीमती नितेश शर्मा और श्रीमती ज्योति शर्मा ने बच्चों को सुर और ताल से परख कर सामूहिक रूप से परिणाम जारी किया जिसमे सामूहिक भजन में ग्रीन हाउस प्रथम, येलो हाउस द्वितीय और रेड हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार एकल भजन में लोकेश नाथ कक्षा 8 प्रथम, दृष्टि कक्षा 11 द्वितीय और अंशिका जैन कक्षा 5 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन श्रीमती जयश्री जांगिड़ और गोठी स्कूल की श्रीमती मेरी डेनियल ने सामूहिक रूप से किया। इस अवसर पर वर्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ नरेन्द्र पारख, शैक्षणिक निदेशक डॉ आर सी लोढ़ा, प्राचार्य धर्मेंद्र शर्मा, शैक्षणिक प्रभारी श्रीमती ज्योति माहेश्वरी, उप प्राचार्य नागेश राठौड़ प्रबंधक हरीश गरवाल ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए अध्यापक अध्यापिकाओं एवम उपस्थित अभिभावकों का उत्साहवर्धन किया।

कागज का नहीं धर्म का धन कमाओ : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में चल रहे विविध आयोजन एवं आराधनाओं से यात्रीगण लाभान्वित हो रहे हैं। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान के अंतर्गत आज सातवें दिन रत्नत्रय व्रत उद्यापन के उपलक्ष्य में श्री रत्नत्रय महामण्डल विधान रचाने का सौभाग्य प्रकाश सुमित्रा छाबडा परिवार सहित सकल दिगम्बर जैन समाज मालवीय नगर जयपुर वालों को एवं इंद्रा देवी झिराना वाले निवाई को प्राप्त हुआ। पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शान्तिधारा निर्विघ्न सम्पन्न हुई। पश्चात माताजी का मंगल उद्बोधन हुआ जिसमें माताजी ने वर्तमान की परिस्थितियों को देखते हुए सभी को धर्म की प्रेरणा देते हुये कहा कि ` आज वर्तमान समय की परिस्थितियां इतनी विकट हो गई है कोई भी प्राणी सुखी नहीं है । सभी अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में लगे हुए हैं। रिश्तों में दरारें आ रही है जिसका मुख्य कारण है - धन । आज धन को देखकर ही लोगों के मनोभावों में परिवर्तन आ जाता हैं। धन के लिए भाई - भाई की हत्या तक कर देते हैं। जितना व्यक्ति धनी हो रहा है उतना उसकी महत्वाकांक्षा बढ़ रही है जिससे धर्म तो अंश मात्र भी नहीं बचता है । सभी ब्लैक मनी का संग्रहण कर रहे हैं। उस धन का प्रयोग यदि देव - शास्त्र - गुरू की सेवा में लगा दिया जाये तो वह ब्लैक मनी - व्हाइट मनी में बदल जायेगी। इसके लिए आप अपनी शक्ति अनुसार मंदिर, मूर्ति, आहार आदि के लिए दान देकर इस नश्वर धन का उपयोग करें धन के पीछे आज हम रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं। ये कागज के टुकड़े वाला धन जिसे आज प्रत्येक व्यक्ति पाना चाहता है वह साथ नहीं जाने वाला जो धर्म रुपी सच्चा धन है उसे कमाने का पुरुषार्थ करो जो भव भव में साथ जाने वाला है। उसे कोई कमाना नहीं चाहता।

चंद्रप्रभ महिला मंडल, दुर्गापुरा द्वारा बालिकाओं को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्य महिला सदन शिकार पुरा रोड प्रताप नगर सांगानेर स्थित। अनाथ आश्रम महिला सदन के अंतर्गत रह रही 100 बालिकाओं के लिए चंद्र प्रभु महिला मंडल के द्वारा एक समय के भोजन की व्यवस्था 21अक्टूबर को प्रातः 10:30बजे से की गई। इस अवसर पर रेखा लुहाड़िया, अध्यक्ष, रानी सोगानी , मंत्री के साथ साथ रेणु पांड्या, रितु चादवाड, सुनीता कालाआदि अनेक सदस्य उपस्थित रहे

भगवान महावीर निर्वाणोत्सव पर राजस्थान की कृति जैन के मधुर भजनों से गूंजेगा पावापुरी

प्रवीण जैन,पटना. शाबाश इंडिया

पावापुरी (नालंदा): 2549 वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव पावापुरी में 11 से 13 नवम्बर तक आयोजित है। इस अवसर पर श्री पावापुरी दिगम्बर जैन मंदिर में इस बार राजस्थान की प्रसिद्ध मधुर गायिका कृति जैन को आमंत्रित किया गया है। संगीतमय भजन की प्रस्तुति देने वाली कृति जैन राजस्थान के बांसवाड़ा की रहने वाली है। वह अपने टीम वात्सल्य विमल-भरत रॉयल म्यूजिकल ग्रुप के साथ अपने सुरीली और मधुर आवाजो से पावापुरी में समा बांधेगी। साथ में बांसवाड़ा के ही गायक चिराग जैन भी उनका साथ देंगे। दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधन द्वारा आमंत्रित ये कलाकार 11 और 12 नवम्बर को सुबह से मध्य रात्रि तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्ति-भजन से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

डॉ. वन्दना ने किया छात्राओं का ज्ञानवर्धन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय के संगीत विभाग द्वारा 'संगीत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल द्वारा व्याख्यान प्रशिक्षक के स्वागत के साथ किया गया। व्याख्यान में प्रशिक्षक के रूप में डॉ. वंदना खुराना, सहायक आचार्य, राजस्थान संगीत संस्थान, जयपुर ने छात्राओं को संगीत विषय मे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर उपयोगी टिप्स दिए। इसमें उन्होंने केंद्रीय व नवोदय विद्यालय, आरपीएससी की स्कूल व कॉलेज लेक्चरर की परीक्षाओं से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारी पीपीटी के माध्यम सेउपलब्ध करवाई। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभा बजाज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में 40 छात्राओं ने भाग लिया।

लीला मंचन में उमड़ रहा है दर्शकों का जन सैलाब

राम के वन गमन पर दुखित दशरथ ने त्यागे प्राण। केवट प्रसंग, सुमंत विलाप, भरत मिलाप की लीला का मंचन

विराट नगर. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लीला मंचन मे शुक्रवार को सुमंत विलाप, दशरथ मरण तथा भरत मिलाप तक की लीला का मंचन किया गया, जिसमें दर्शक भाव विभोर हुए। लीला मंचन के दौरान राम के वन गमन पर भ्राता लक्ष्मण तथा माता जानकी भी उनके साथ वन जाने की हट करी, राम ने उन्हें अयोध्या में ही रहने की सलाह दी परंतु उनकी हट के आगे राम की नहीं चली। और सुमंत ने उन तीनों को रथ में बिठाकर वन को निकल पड़े। दशरथ ने सुमंत को समझाया कि इन्हें कुछ दिन वन दिखाकर वापस अयोध्या लौट आना। व्याकुल होकर अयोध्या वासी भी उनके साथ निकल पड़े। परंतु रात्रि विश्राम पर उन्हें सोया हुआ छोड़कर ही वो आगे निकल पड़े। श्रृंगवेरपुर जाकर उन्होंने वहां के राजा निषाद राज से भेंट की। निषादराज ने उन सब की बहुत सेवा की, कंदमूल फल खिलाया, फूलों की सुंदर सेज तैयार की और वट का दूध मंगा कर उनकी जटाओं को धोया। इसी दौरान सुमंत ने श्री राम को दशरथ के कहे अनुसार वापस अयोध्या लौटने का आग्रह किया। परंतु राम ने पिता की आज्ञा तथा माता के वचनों को शिरोधार्य कर वन जाने की बात कही और सुमंत को समझाकर कहा कि आप अयोध्या वापस जाकर माता-पिता की सेवा करना और पिताजी से कहना की वह हमारी ओर से कोई चिंता नहीं करें। बिना राम लक्ष्मण सीता के जब सुमंत वापस अयोध्या की ओर लौटे तो व्याकुल होकर विलाप करने लगे। उधर सुमंत के लौटने के बाद श्री राम ने निषाद राज से गंगा पार करने की इच्छा जताई जिस पर निषाद राज ने केवट की नाव मंगवाई। परंतु केवट की चतुराई ने भगवान के चरण धोए बिना नाव में बिठाने से इनकार कर दिया और कहा कि जब आपके चरण छूने मात्र से पत्थर नारी बन सकता है तो यह तो नाव है,क्या पता मेरी नाव कहीं गायब ने हो जाए। भगवान ने केवट के भाव को समझ कर अपने चरण धुलवाए और नाव में बैठकर गंगा पार की। माता सीता ने केवट को नाव उतराई के लिए अपनी मुद्रिका जब भेंट की तो केवट ने लेने से इनकार करते हुए कहा कि आज मुझे सब कुछ मिल गया है और मैं अपने आप को धन्य हो गया हूं। आगे चलकर मुनि भारद्वाज की आज्ञा से श्री राम लक्ष्मण, और सीता ने चित्रकूट आश्रम में विश्राम किया। उधर सुमंत ने अयोध्या पहुंचकर जब दशरथ को राम लक्ष्मण सीता के अयोध्या वापस नहीं लौटने का समाचार सुनाया तो व्याकुल होकर महाराजा दशरथ ने अपनी देह त्याग दी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा

नि:शुल्क चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 29 अक्टूबर 2023 | **समय: प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक**

स्थान: राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ	ई.एन.टी. विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. पंकज सिंह	डॉ. जितेश जैन

डायबिटीज विशेषज्ञ	स्त्री रोग विशेषज्ञ	नैत्र रोग विशेषज्ञ	कैंसर रोग विशेषज्ञ
डॉ. प्रियाश्री कटेवा	डॉ. शिल्पा जेठवानी	डॉ. निकिता जैन	डॉ. सरजीत सैनी

शिविर में उपलब्ध नि:शुल्क जांचें

नोट:- 1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2. रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी	लिपिड प्रोफाइल	
फाइब्रो स्कैन	शुगर	ई.सी.जी.
मैमोग्राफी	ओपथाल स्क्रीनिंग	पैप स्मीयर

मुख्य अतिथि
श्रीमान उत्तम जी पांड्या
मुनिभक्त, प्रमुख समाजसेवी

दीप प्रज्जवलनकर्ता
श्रीमान महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

मुख्य समन्वयक	समन्वयक	समन्वयक	समन्वयक	संयोजक
दर्शन-विनीता बाकलीवाल	चक्रेश-पिंकी जैन विनोद-हेमा सोगानी	राकेश-रेणु संघी प्रदीप-प्राची बाकलीवाल	कमल-मंजू ठोलिया चेतन-डॉ. अनामिका पापड़ीवाल	साकेत जैन, विमल जैन अशोक सेठी, पं. विनोद शास्त्री

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	यश कमल अजमेरा निर्वतमान अध्यक्ष	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नवीन सेन जैन परामर्शक	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष	सुरेन्द- मृदुला पांड्या संरक्षक	दर्शन- विनीता बाकलीवाल संरक्षक	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी सचिव

सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष	विनोद-हेमा सोगानी उपाध्यक्ष	राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव	राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ❊ डॉ अनुपम-विनीता जैन ❊ सपन-रजनी छाबड़ा ❊ नितेश-मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अनिल-प्रेमा रांवका ❊ अशोक-अर्चना पाटनी ❊ अशोक सेठी

सहयोगी :: आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर

सुनील जैन अध्यक्ष	राकेश गोदिका संरक्षक	विमल जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष	संजय जैन 'आवां' उपाध्यक्ष	साकेत जैन उपाध्यक्ष	अशोक सेठी संयुक्त मंत्री	अनिल जैन डोड्या संयुक्त मंत्री	मुकेश जैन कोषाध्यक्ष	राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री

कार्यकारिणी सदस्य : टीकम जैन, अशोक सोगानी, राजेन्द्र जैन बोरखंडी, अनिल जैन (ढोशी), अशीष शाह, अशोक जैन (आगरा रोड़), पं. विनोद शास्त्री

KUMKUM PHOTOS
9829054966, 9829741147
Best Professional Wedding Photographer In Jaipur
WWW.KUMKUMPHOTOSJAIPUR.COM

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत में हुआ तीन दिवसीय श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का शुभारंभ

एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत में हुआ तीन दिवसीय श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं भारतवर्षीय श्रमण संस्कृति परीक्षा बोर्ड सांगानेर जयपुर के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का शुभारंभ हुओ श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन के प्रथम दिन पाठशालाओं के बच्चों ने ढोल बजाते हुए गुरू का स्वागत कियो पाठशाला महाधिवेशन की शुरूआत भोपाल स्थित शंकराचार्य नगर के पाठशाला परिवार द्वारा मंगलाचरण के साथ हुई मंगलाचरण के इसी क्रम में दमोह स्थित कलिंदी मंदिर पाठशाला के विद्यार्थियों ने भी गुरू को नमन करते हुए नृत्य की प्रस्तुति दी इसी बीच अमेरिका से आई दानचंद्रिका की उपाधि से अलंकृत श्रीमती आशारानी जी पाण्डया एवं समस्त पाण्डया परिवार का स्वागत-सम्मान श्री दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति द्वारा किया गया साथ ही कलकत्ता, सूरत और प्रयागराज से आये वरिष्ठजनों का सम्मान भी हुओ तत्पश्चात गणमान्य बंधुओं द्वारा संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन कियो इसके बाद बाहर से आये हुए गुरुभक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज जी अपने मंगल प्रवचन में कहा कि साँप,बिच्छू को देखते ही लोगो को मारने का भाव आता है क्योंकि पूर्वभव में कभी उसने एक बार स्वयं को मारने का भाव किया होगा। नियम लो कि मैं कभी मरने का भाव नही करूँगा, इसके परिणाम से तुम्हारा कभी अकाल में मरण नही होगा ' तुम कही खुद की किस्मत से परेशान तो नहीं हो और ज्ञानी व्यक्ति तो खुद की किस्मत से ही परेशान होता है, वह

कभी दूसरे व्यक्ति को दोष देता ही नहीं। जैनाचार्यो ने सबसे पहले इसी बात पर सोचने को कहा-तुम परेशान दिखते हो, कंही खुद से परेशान तो नही हो, तुम भली दूसरे को दोष दे रहे हो लेकिन तुम्हारी किस्मत ही तुम्हारा साथ नही दे रही है। तुम अच्छा कर रहे हो, बुरा हो रहा है क्या तुम्हें विश्वास है कि हमारा कोई भी व्यक्ति हमारे विरोध में नही जा सकता है, हमे रुलाएगा भी नही, बहुत कठिन है हम अपनो की ही घोषणा नही कर पा रहे। यह दावा तुमने कर लिया कि मेरे परिवार में कोई मेरा कुछ भी नही बिगाड़ सकता तो जाओ दुनिया का कोई भी व्यक्ति तुम्हारा कुछ भी नही बिगाड़ सकता। बस तुम अपना बिगाड़ मत करना और तुम्हारे लोग तुम्हारा बिगाड़ न कर पाए। णमोकार मंत्र की इतनी बड़ी शक्ति है कि सारी दुनिया में जितनी सेनाये हैं,उन सेनाओं से ज्यादा ताकत णमोकार मंत्र में है। जैसे जिसका किला अभेद्य हो,चारों तरफ से सैनिक लगे हो,वो राजा घबडाता नहीं है, बोले कुछ नही,दुश्मन अंदर आ ही नही सकता,ऐसे ही जिनेंद्र भगवान ने कहा है कि सारे देवता मिलकर के आ जाये, सारी दुनिया मिलकर के आ जाये बस चारो तरफ से णमोकार मंत्र की सेना बिछा देना और दुनिया से कह देना हिम्मत है तो छूकर दिखाए। गाड़ी का एक्सीडेंट होने ही वाला है आप आँख बंद कर लेना खोलना मत एक्सीडेंट मत देखना,णमो अरिहंताणं कह देना बाद में सब ठीक हो जाएगा। अभेद्य कवच है णमोकार मंत्र आगम से प्रमाण है सेनाओं के कवच भेदे जा सकते है णमोकार मंत्र का कवच जिसने पहन लिया उसको भेदा नही जा सकता। बस हमे महसूस होना चाहिए कि मैंने चारो तरफ णमोकार मन्त्र का कवच बिछा दिया है, अब कुछ नही हो सकता ' एक नियम तुम्हे लेना है कि मैं अपनो का घात नही करूँगा अपनो को दुख नही दूँगा। पूरी समाज पूरे घर के लोग यह नियम ले लेवे तो तुम्हे स्वर्गो की जरूरत नही पड़ेगी तुम्हारा घर ही स्वर्ग हो जाएगा। णमोकार मंत्र भक्तामर स्तोत्र दुश्मन से रक्षा कर सकता है, तुम्हारे अपनो से नही,उसके लिए ये नियम ही तुम्हे बचा सकता है। यह नियम नही ले सकते तो यह नियम लो कि मैं अपना घात नही करूँगा। जिन कारणों से मेरी जिंदगी में दुख आते हैं, मैं अपने आपको दु:खी नही करूँगा और आत्मघात नही करूँगा और ऐसा कोई कृत्य नही करूँगा जिससे मुझे खुद दुख उठाना पड़े, मेरी जिंदगी खतरे में पड़ जाए। जिसकी जिंदगी स्वयं से खतरे में है उसकी जिंदगी को कोई सुरक्षित नही कर सकता,ये पत्थर की लकीर लिख लेना। सारी दुनिया तुम्हे मारेगी क्योंकि तुमने खुद अपने आपका घात किया है। जो व्यक्ति स्वयं मरता है, आत्मघात करता है उसे सैकड़ो बार दुनिया मारती है सैकड़ो बार जन्म ही नही लेनी देती, गर्भपात कराती है क्योंकि इसने एक बार आत्महत्या की थी, अपने आप को मारने का भाव किया था।अपने आपको मारने का भाव करने पर सारा जगत का तुम्हे देखते ही मारने का भाव बनेगा या तो गर्भपात होगा या साँप, बिच्छू प्रभावना शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर पाठशाला अधिवेशन में प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या,मनोज बाकलीवाल, नीरज जैन जिनवाणी, पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, प्रसाद जैन, राजेश सेठी,अमित जैन बॉबी, राजेश सेठी, विवेक बैनाड़ा, नरेश जैन, अनिल जैन रईस, राजेश जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन, शैलेंद् जैन, अंकेश जैन सचिन जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज।

रिपोर्ट: मीडिया प्रभारी
शुभम जैन, आगरा

निःस्वार्थ एक-दूसरे के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती रामायणः इन्दुप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

जीवन में कष्ट आने पर भी हार नहीं मानने वालों को मिलती सफलताः चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। महाकाव्य रामायण के चरित्र हमे जीवन में निःस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते है। आज जहां छोटी-छोटी बातों पर भाई-भाई में क्लेश हो जाता है वहां रामायण के पात्र सिखाते है कि भाई किस तरह एक-दूसरे के लिए त्याग करते है। ऐसे पात्रों से शिक्षा लेकर हमे उनके गुणों का अपने जीवन में अनुकरण करने का प्रयास करना चाहिए। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शनिवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या वात्सल्यमूर्ति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान जैन रामायण का वाचन करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि किस तरह राम को वन से पुनः लाने के लिए रानी कैकयी, भरत के साथ वन में जाती है। वह आंखों में आंसू भर राम से पुनः लौट आने का आग्रह करती है लेकिन राम पिता के वचन की बात कहते हुए इंकार कर देते है ओर सभी से कहते है भरत को राजकार्य चलाने में पूरा सहयोग प्रदान करें। भरत कहते है राज राजेश्वर तो आप ही रहेंगे। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने नवपद आयम्बिल आराधना के दूसरे दिन णमो सिद्धाणं की माला फेरने की प्रेरणा प्रदान करते हुए श्रीपाल-मैनासुंदरी चरित्र का वाचन किया। इसमें बताया गया कि किस तरह राजपरिवार में जन्में श्रीपाल को बचपन से ही कष्ट उठाने पड़ते है ओर वह कोढ़ियों के बीच अपना जीवन बिताता है। उन्होंने कहा कि जीवन में कष्ट आने पर भी जो हार नहीं मानता ओर सद्कर्म करने में लगा रहता है वह अवश्य सफलता प्राप्त करता है। सुख दुःख जीवन में आना जाना चलता रहता है। इनमें समभाव रखने वाला जीवन की मंजिल को प्राप्त कर लेता है। धर्मसभा में तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन ''तुम हो प्रभु महान, हम करते लाखों प्रणाम'' की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में चैन्नई से पधार सुश्रावक सुरेशचन्द्र डूंगरवाल, सुश्राविका मैनाबाई डूंगरवाल आदि अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। नवपद ओली आयम्बिल आराधना दूसरे दिन भी जारी रही। कई श्राविकाएं इसके तहत आयम्बिल तप कर रही है।

जयपुर किराना व ड्राई फ्रूट्स कमेटी की नई टीम का अभिनंदन व स्वागत

दृढ़ निष्चय और मेहनत से ही व्यापार में तरक्की व उन्नति संभवःखाचरियावास

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर किराना व ड्राई फ्रूट्स कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकारिणी का अभिनंदन व स्वागत समारोह गुरुवार को शास्त्री नगर के श्री अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा में आयोजित किया गया। इस मौके पर कमेटी के नए पदाधिकारियों का माला,साफा व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। समारोह में करीब 600 के आसपास पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर नई टीम को भी अतिथियों ने शपथ ग्रहण करवाई गई। अध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले ने बताया कि इस मौके पर सरकार के केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास,पार्षद मनोज मुद्गल,वरिष्ठ पत्रकार डॉ.गोपाल शर्मा, राजस्थान उद्योग व्यापार संघ व कृषि मंडियों के अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता,जयपुर व्यापर महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज,गोविन्द अग्रवाल, कृषि मंडी के क्षेत्रीय अधिकारी महिपाल सिंह,राजधानी मंडी अध्यक्ष रामचरण नाटाणी व अमर चंद सैनी,कार्यक्रम आयोजक सुरेश अग्रवाल,दलाल व्यापार संघ के अध्यक्ष हरिमोहन डंगायच व शंकर लाल अग्रवाल लाल सहित अन्य अतिथियों का कमेटी ने साफा,माला और शॉल पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर केबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि कमेटी के नए अध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले के नेतृत्व में व्यापारियों के हित में सदैव तत्पर रहने की प्रतिबद्धता जताई। इस मौके पर खाचरियाचास ने महाभारत और रामायण के पात्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि ईमानदारी से व्यापार को और उंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। यह स्वयं के दृढ़ निष्चय और मेहनत से ही व्यापार में तरक्की व उन्नति संभव है।

आचार्य सौरभ सागर जी का अवतरण दिवस आज रविवार 22 को

53 व्यक्ति और महिलाओं द्वारा शांतिधारा और मंगलाचरण, बाल संस्कार पुस्तिका का वितरण, सेंट्रल जेल में वाटर कूलर स्थापना, हॉस्पिटलों में 1 माह तक भोजन वितरण, जरूरतमंदों और नेत्रहीन बच्चों को रजाई का वितरण सहित 14 परोपकार आयोजन होगेशनिवार को गाजियाबाद की सौरभ सागर सेवा समिति संस्थान की हुई गोष्ठी, देशभर से 500 से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल, शाम 6.30 बजे विकलांगजनों द्वारा हुई विशेष प्रस्तुति

अवतरण दिवस के अवसर 14 परोपकार कार्य करेंगे स्थापित

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां पर आचार्य सौरभ सागर महाराज के 53 वें अवतरण दिवस के अवसर पर दो दिवसीय महोत्सव का शनिवार को शुभारंभ किया गया, जिसमें सौरभ सागर सेवा समिति संस्थान, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, श्री सौरभमयी सिद्धचक्र प्रभावना समिति और श्री पुष्पवर्षा योग समिति, प्रताप नगर जयपुर द्वारा विभिन्न आयोजनों किए गए, अवतरण दिवस का मुख्य आयोजन रविवार को मनाया जायेगा। जिसमें आयोजन समिति द्वारा 14 परोपकार किए जायेगे, जिसके माध्यम से निर्धनों, है जरूरतमंदों इत्यादि की मदद की जाएगी। गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले ने बताया की रविवार को आचार्य सौरभ सागर महाराज के 53 वें अवतरण दिवस श्रद्धा - भक्ति के साथ मनाया जायेगा, जिसकी शुरूवात प्रातः 6.30 बजे पं संदीप जैन सजल के निर्देशन में स्वर्ण एवं रजत कलशों से श्रीजी का कल्षाभिषेक कर की जाएगी, जिसके बाद 53 श्रेष्ठ श्रावकों द्वारा सोभाग्यमयी वृहद शांतिधारा की जायेगी, इसके उपरांत नित्य नियम पूजन, सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन प्रारंभ होगा, इसी दौरान प्रातः 8.30 बजे से अवतरण दिवस के अवसर पर 53 महिलाओं द्वारा मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, शास्त्र भेंट, विन्यांजलि सभा इत्यादि कार्यक्रम आयोजित होगे, इसके पश्चात आचार्य सौरभ सागर महाराज धर्मसभा को संबोधित करेंगे। शाम 6.15 बजे 5300 दीपों से श्रीजी और आचार्य श्री की मंगल आरती की जाएगी और श्रद्धालुओं द्वारा एक शाम सौरभ सागर

के नाम के तहत भजन भक्ति का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष आलोक जैन तिजारिया ने बताया की आचार्य सौरभ सागर महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर समिति और गुरुभक्त परिवार द्वारा 53 व्यक्तियों द्वारा शांतिधारा, 53 महिलाओं द्वारा मंगलाचरण के अतिरिक्त रविवार को जयपुर के सभी जैन मंदिरों में भव्य रोशनी, सौरभमयी बाल संस्कार पुस्तिका जैन विद्यालयों में वितरण, 53 रंगीन गुब्बारों से सौरभमयी संदेश का प्रसारण, एक माह तक निरंतर जैन रसोई के माध्यम से अस्पतालों में भोजन वितरण, सेंट्रल जेल में वाटर कूलर की स्थापना, मोबाइल वैन के माध्यम से जरूरतमंदों को दवाइयों का वितरण, नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों को रजाई वितरण, सेंट्रल पार्क में 53 सौरभमयी वृक्षारोपण, 53 निर्धन बच्चों को रजाई वितरण, नसियां में चिकित्सा शिविर का आयोजन एवं 53 सौरभमयी दीप ज्योति से महाआरती का आयोजन रखा गया है, दोपहर में आचार्य श्री के सानिध्य में सीए फाउंडेशन द्वारा सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें 500 से अधिक सीए सम्मिलित होंगे। सौरभ सागर सेवा समिति संस्थान गाजियाबाद द्वारा संचालित जीवन आशा हॉस्पिटल के सहयोग हेतु संस्थान से जुड़े 500 से अधिक ट्रस्टी और संरक्षकगण

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 12 दिव्यांगजनों द्वारा दी गई विशेष प्रस्तुति

प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा और अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया की शनिवार को शाम 6.30 बजे से जयपुर नगरी में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 12 दिव्यांगजनों ने "मिरैकल ऑन व्हील्स" के माध्यम से अति अद्भुत प्रस्तुतियां पेश की जिसे देखकर उपस्थित श्रावक और श्राविकाएं भाव विभोर हो गए और प्रस्तुति देख तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दिव्यांगजनों का अभिनंदन किया। इस दौरान जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष भाजपा संजय जैन, श्रमण संस्कृति बोर्ड अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, समाजसेवी विवेक काला, पदमचंद बिलाला इत्यादि सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए।

शनिवार को जयपुर में एकत्रित हुए और गोष्ठी का आयोजन किया। दोपहर 1 बजे से आयोजित गोष्ठी का शुभारंभ समाजसेवी राजीव जैन गाजियाबाद वालों और आलोक जैन तिजारिया द्वारा दीप प्रवज्जलन कर किया गया। इसके उपरांत मंगलाचरण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। आयोजन क्षेत्रीय प्रभारी गजेंद्र जैन बड़जात्या और संस्था कोषाध्यक्ष संजय जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि गोष्ठी का आयोजन आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में किया गया, जिसमें संस्था से जुड़े ट्रस्टीयों द्वारा शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, सदस्यों और दानदाताओं का तिलक, माला, पटका पहनाकर एवं मोमटो भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान 15 दिनों पहले हॉस्पिटल से इलाज करवाने वाले विकलांगजनों द्वारा आचार्य श्री के सम्मुख मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

सौधर्म इन्द्र की सभा में समवशरण की चर्चा नाट्य रूपांतरण में हुई प्रस्तुति

आठ वर्ष से बड़े बच्चो को संस्कार करेंगे आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्री समवशरण महा मंडल विधान में सौधर्म इन्द्र की सभा में अशोक नगर में चल रहे श्री समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की चर्चा इन्द्र गण करते हैं इस दौरान सौधर्म इन्द्र के आसन के कम्पायमान होने पर सचि इन्द्रणी उसका कारण जान कर भरत क्षेत्र के आर्यवर्त में भारत भूमि की ओर प्रस्थान कर समवशरण रचनाकार प्रभु की महा आराधना की इस दौरान आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में भक्तो दारा अर्घ समर्पित किए गए इसके पहले आज श्री समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में मुख्य पात्र भरतचक्रवर्ती धर्मेन्द्र रोकड़िया सौधर्म इन्द्र राकेश अमरोद महामंत्री कुबेर इन्द्र सतीश राजपुर महायज्ञ नायक संजीव श्रागर बहुवलि मनोज रन्नौद ने यज्ञ वेदी मंत्रोकचार के साथ दसागं धूप का समर्पण किया।

बच्चो में आचार्य श्री करेंगे संस्कारो का विजारोपड़न

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने धर्म सभा के प्रारंभ में कहा कि कल का दिन अशोक नगर के लिए बहुत विशेष होगा जव गुरु मुख से आठ वर्ष से अधिक व पदंह वर्ष तक के बच्चो एवं आठ वर्ष से बारह वर्ष की बेटीयो को आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज के श्री मुख से संस्कार मिलेंगे और प्रतिष्ठा चार्य में प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भ इया वच्चो पर धर्म संस्कृति के संस्कार का वीजा रोपण करेंगे वहीं वेटीयो को दीदी संस्कारित करेगी यह पूरा आयोजन दोपहर दो बजकर तीस मिनट से प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भ इया जी के मंत्रोच्चार के साथ होगा इस दौरान आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज वच्चो को विशेष संस्कार भी देंगे और धर्म सभा को सम्बोधित करेंगे इस दौरान दातारों का सम्मान जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष राजेंद्र अमनमेडिकल अजित वरोदिया प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक उमेश सिघई युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने सभी को सम्मानित किया।

संत समागम मिले तो सब काम छोड़कर कर लेना चाहिए

इस अवसर पर धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने कहा कि धर्म के संस्कार हमें परम्परा से हमें मिलें दक्षिण भारत में सीमित ऐरीये में दिगम्बर साधु रहा करते थे आज साधुओ का विहार सब ओर हो रहा है भारत को एक सूत्र में बंधकर इस भारतीय बसूधा पर एक क्षत्र राज्य करने वाले चन्द्र गुप्त मौर्य ने अपने जीवन के अंत में दीक्षा ग्रहण कर श्रमण परम्परा को आगे बढ़ाया उन्होंने कहा कि आपके यहां बहुत अच्छी पाठशाला चल रही है हमारे गुरु भाई का आगरा में चातुर्मास हो रहा है वहां पाठशाला सम्मेलन में भाग लेने गई है ये वेटीया वच्चो को संस्कार दे रही है समाज की ये वेटीया टीवी मोबाइल को छोड़ कर आने वाली पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में लगीं। उन्होंने कहा कि हमारे पास कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष आये थे और उन्होंने कहा कि कभी संत समागम मिले तो कर लेना चाहिए हजारों लोग से अधिक शक्ति एक विद्वानो में होती है और हजारों विद्वानो से अधिक शक्ति एक साधु में होती है इसलिए जव भी कोई महा महोत्सव हो तो विद्वान का समागम मिले तो कर लेना चाहिए।

औषधि दान करने पर सेठ परिवार में जन्म लेने का सौभाग्य मिला

उन्होंने कहा कि एक उधांन में मुनि महाराज ध्यान में बैठे थे तभी राजा के आने का समाचार मिला तो उसने बहुत सीध्र से उधांन की सफाई करते हुए मुनि राज को देखा और उन्हे भी पत्तों से ढक दिया राजा के लोटने पर बहा खांसी की आवाज सुन उन पत्तों को हटाया तो वहां मुनिराज वैठे देख उपसर्ग को दूर कर पूजा की उस कन्या ने भी बहुत क्षमा मांगते हुए प्रायश्चित लिए और एक संत को औषधि दान किया जिससे वह एक सेठ की पुत्री लेकिन पूर्व जन्म में अनजाने में मुनि राज पर उपसर्ग करने के कारण अपवाद भी झेलने पड़े इसलिए कर्म से डरना चाहिए कर्म किसी को नहीं छोड़ता कर्म अपना फल देता ही है।

जैन सोश्यल ग्रुप्स का जैन एकर्स-जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग का समापन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट 08 अक्टूबर, 23 से निरन्तर चल रहे टूर्नामेंट के होस्ट ग्रुप जेएसजी यूनिवर्स है एवं को-होस्ट ग्रुप जेएसजी वीनस हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट के सलाहकार उजास जैन ने बताया कि इस डे-नाईट क्रिकेट प्रीमियर लीग के रविवार को फाइनल व समापन समारोह होंगे। कन्वीनर मुकेश कासलीवाल आज के पहले ओवर आर्म का मुकाबला जेएसजी एमरल्ड और जनक के बीच हुआ और उसमें एमरल्ड ने विजय हासिल की। रीजन सचिव सिद्धार्थ जैन, यूनिवर्स के दीक्षान्त हाड़ा, आशीष तोतुका ने बताया अंडर आर्म क्रिकेट मैच में आज का पहला सेमि फाइनल जेएसजी वीनस और जेएसजी जनक के बीच हुआ जिसमें पहले खेल कर वीनस ने 84 रन बनाए इस मैच में सौम्य जैन मैंन ऑफ थे मैच रहे। रीजन के चेयरमैन इलेक्ट राजीव पाटनी और वीनस के सुरेन्द्र जैन ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन लक्की ड्रॉ द्वारा 09 गिफ्ट दी जा रही है, जिसकी सभी ग्रुप्स द्वारा बहुत प्रशंसा की जा रही है। रीजन के PRO धीरज जैन एवं नीलेश जैन ने बताया कि प्रथम एरीना में अंडरआर्म के रोचक मैच चल रहे हैं। होस्ट ग्रुप के अध्यक्ष दीक्षान्त हाड़ा ने ऑवर आर्म में पहुची सभी सेमी फाईनल टीमों को 12 ओवर का मैच खेलना होगा। रीजन के वाइस चेयरमैन श्री रविन्द्र बिलाला ने बताया टूर्नामेंट में सभी खिलाडियों एवं मेहमानों के लिए बहुत ही लजीज व्यंजनों एवं खाने की सम्पूर्ण व्यवस्था की गई है।

(महेन्द्र गिरधरवाल)
मुख्य समन्वयक-क्रिकेट टूर्नामेंट

जनकपुरी में भक्तामर का कार्यक्रम जोर शोर से, पचास परिवारों ने की दीप अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में रिद्धि मन्त्र युक्त भक्तामर दीप अर्चना भक्ति भाव के साथ जोर शोर से चल रही है ।प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि चल रहे भक्तामर पाठ में पचास परिवारों ने दीप अर्चना कर धर्म लाभ लिया है। कार्यक्रम सोमवार को पूर्ण होगा तथा मंगलवार को आर्यिका विशेष मति माताजी का सोलहवाँ दीक्षा दिवस मनाया जाएगा जिसमे साज बाज के साथ 16 मंडलीय भक्तामर मण्डल विधान के साथ गुरु पूजन आदि कई कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में माताजी की सोलह वर्ष पूर्व कोटा में हुई दीक्षा के साक्षी , विशुद्ध मति माताजी के स्थानीय भक्त तथा नैनवा मालपुरा कुचामन जोबनेर मिठड़ी सहित कई जगह से सहभागिता करेंगे ।

नेट थियेट पर बलकरण नाटक का सशक्त मंचन

साहस, वीरता, धैर्य एवं निडरता का संदेश दिया बालक बलकरण ने

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज परंपरा नाट्य समिति द्वारा डा.रामकुमार वर्मा द्वारा लिखित एवं वरिष्ठ रंगकर्मी दिलीप भट्ट द्वारा निर्देशित नाटक बलकरण की प्रभावी प्रस्तुति ने दर्शकों पर अमिट छाप छोडी। नेट थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि लघु नाटक बलकरण ने यह संदेश दिया कि इंसान साहस, वीर, निडर और धैर्य रखने वाला हो तो किसी भी इंसान को झुकने पर मजबूर करता है और वो सफलता के पायदान पर चढता चला जाता है। **कथा सार:** वीर साहस छोडते नही, अपनी मातृ भुमि की रक्षा करते करते अपना सबकुछ न्यौछावर कर देतें है। ऐसे ही वीर साहसी बलकरण की यह कहानी है, बालक होने के साथ-साथ उसमे धैर्य, साहस, चतुरता, वीरता, संयम कूट-कूट कर भरे हुये थे। तैमूरलंग एक खूंखार, अत्याचारी, आतंक फैलाने वाला था, जिसने भारत को लूट कर कंगाल करना चाहा उसकी इस मंशा को बलवान बालक वीर बलकरण ने उसके इस सपने को चूर-चूर कर दिया। नाटक में पारस महावर, सचिन भट्ट, ममता बगड़ाई, हर्ष भट्ट, शुभम महावर, सुमित सीलन, रोहित यादव और अजय राज ने अपने पात्रों को जीवन्तता से जी कर नाटक की प्रस्तुति को रोचक बनाया। नाटक वेशभूषा विजय लक्ष्मी ने की। कैमरा मनोज स्वामी, प्रकाश संयोजन दिलीप भट्ट का रहा।